भौतिक शास्त्र एवं कृषि मौसम विज्ञान विभाग
जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
कृषि मौसम सलाह सेवाएँ
(Project Sponsored by IMD, MoES, New Delhi)

सलाहकार समिति के सदस्यः डॉ. डी. पी. शर्मा, डी. ई. एस., सस्य विज्ञान डॉ. अनय रावत, फल विज्ञान –डॉ. रीना नायर, सब्जी विज्ञान – डॉ. प्रियंका दुबे, कीट विज्ञान – डॉ. एस. बी. दास, पौध रोग विज्ञान –डॉ. आशीष गुप्ता, कृषि मौसम विज्ञान – डॉ. मनीष भान, पशु विज्ञान – डॉ. अनिल सिंदे

वर्ष–2022	अंक–13	दिनांक 26 फरवरी से 02 मार्च 2022	दिनांकः 25.02..2022

(जिला जबलपुर के लिए जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर एवं मौसम केन्द्र भोपाल द्वारा संयुक्त रूप से जारी)

आगामी पॉच दिनो का मौसम पूर्वानुमानः–

भारत सरकार के भारत मौसम विज्ञान विभाग भोपाल से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जबलपुर तथा इसके आस–पास के क्षेत्रों में आगामी 5 दिनों में आसमान साफ रहने की संभावना है। हवा 10.5 से 12.3 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से विभिन्न दिशाओं से चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 30.0 से 33.0 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 14.0–15.0 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का पूर्वानुमान है।

मौसमी तत्व /दिनाँक	26/02/2022	27/02/2022	28/02/2022	01/03/2022	02/03/2022
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (डि.से.)	30	32	33	33	33
न्यूनतम तापमान (ड़ि.से.)	14	15	15	14	14
आपेक्षित आद्रता (सुबह)	65	53	54	53	46
आपेक्षित आद्रता (षाम)	28	26	24	26	26
हवा की गति (कि.मी./घण्टा)	10.9	12.3	10.5	11.1	10.6
हवा की दिशा	पूर्व	पूर्व	पूर्व	उत्तर–पूर्व	उत्तर–पूर्व
बादलों की स्थिति	साफ	साफ	हल्के	साफ	साफ

मौसम आधारित साप्ताहिक कृषि परामर्श दिनांक 26 फरवरी से 02 मार्च 2022

सामान्य सलाह	• आने वाले दिनों में जबलपुर जिलें में आसमान साफ रहने की सम्भावना है। न्यूनतम एवं अधिकतम तापक्रम में वृद्धि की संभावना है।
मूँग एवं उड़द	• मौसम को ध्यान में रखते हुए मूंग और उड़द की फसलों की मार्च में बुवाई हेतु किसान किसी प्रमाणित स्रोत से उन्नत बीजों का संग्रह करें। बुवाई से पूर्व बीजों को फसल विशेष राईजोबीयम तथा फास्फोरस सोलूबलाईजिंग बेक्टीरिया से अवश्य उपचार करें।
सरसों	• मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह है कि सरसों की फसल में चेपा कीट के आक्रमण होने पर प्रारंभिक अवस्था में प्रभावित भाग को काटकर नष्ट कर दें। • रासायनिक विधि से नियंत्रण करने हेतु इमिडिक्लोप्रीड 7 मिल. /टंकी (कुल 10 टंकी दवा) की छिड़काव करना है ।
गेहूँ	• जिन गेहूँ की फसल में यूरिया की टाप ड्रेसिंग का समय हो गया हो वहा पर यूरिया की टाप ड्रेसिंग करें। तापक्रम की अधिकता को देखते हुए आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें। • मौसम को ध्यान में रखते हुए गेहूँ की फसल में रोगों, विशेषकर रतुआ की निगरानी करते रहें। • गेहूँ की फसल पकने की अवस्था में हो और बीज उत्पादन लेना हो तो खेत से दूसरी प्रजाति के पौधों को उखाड़ कर अलग कर दें। • गेहूँ के खेत में चूहों के आक्रमण की संभावना है । निगरानी करते रहें। चूहे होनें पर बिलों को भर दें।
चना	• चने की फसल में फली छेदक कीट के निगरानी हेतु फीरोमेन प्रपंश / 3–4 प्रपंश प्रति एकड़ उन खेतों में लगाएं जहां पौधों में 40–45 प्रतिशत फूल खिल गये हों। "T" अक्षर आकार के पक्षी बसेरा खेत के विभिन्न जगहों पर लगाए। फली में दाने पड़ने के बाद खूँटियॉ अलग कर लेना चाहिए। • इल्ली के रासायनिक नियंत्रण हेतु प्रोपेनोफास 2 मिली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
सब्जियां	• मटर के खेत मे अंतिम फली तुड़ाई के बाद खेत साफ करके ग्रीष्म ऋतु की सोयाबीन, मूंग या उड़द या भिण्डी, लौकी, बरबटी सब्जियों की पौधशाला तैयार करें। • इस सप्ताह तापमान को देखते हुए किसानों को सलाह है कि भिंडी की अगेती बुवाई हेतु ए–4, परबनी क्रांति, अर्का अनामिका आदि किस्मों की बुवाई हेतु खेतों को पलेवा कर देसी खाद डालकर तैयार करें। बीज की मात्रा 10–15 कि.ग्रा. एकड़।
पशु एवं मुर्गी पालन	• पशुओं में खुरपका–मुहपकाव भेड़ों में फड़किया रोग का टीका लगवाएँ। • बरसीम की फसल की चारा हेतू कटाई 20 दिनों के अंतराल पर करें तथा प्रत्येक कटाई के बाद सिंचाई करें।

नोडल आफीसर

दिनांकः 25 फरवरी 2022